

श्री सुभाष पालेकर

Shri Subhash Palekar



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री सुभाष पालेकर

श्री सुभाष पालेकर, जो कृषि का ऋषि के रूप में लोकप्रिय हैं, जीरो बजट नेचुरल (स्प्रिचुअल) फार्मिंग के एक प्रसिद्ध प्रतिपादक तथा "जीरो बजट फार्मिंग" की संकल्पना के अथक प्रवर्तक हैं। आज पूरे भारत में, 50 लाख से अधिक किसान आपके तरीकों का प्रयोग कर रहे हैं।

2. आपका जन्म 01 जुलाई, 1949 को हुआ। आपने नागपुर विश्वविद्यालय से कृषि में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। स्नातक के बाद, आप पारंपरिक कृषि की ओर उन्मुख हो गए। पहले वर्ष 1975–85 के दौरान, केमिकल फार्मिंग में उत्पादन लगातार बढ़ा किंतु उसके बाद इनपुट बढ़ाने के बाद भी इसमें भारी गिरावट आनी शुरू हो गयी। तीन वर्षों तक कारणों का पता लगाने के बाद, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कृषि विज्ञान गलत सिद्धांत पर आधारित है और केमिकल फार्मिंग के वैकल्पिक प्रौद्योगिकी का पता लगाना शुरू कर दिया। वर्ष 1986–88 के दौरान आपने वन्य वनस्पति का अध्ययन किया। आपने पाया कि वन में स्वतरू विकसित होने वाली, स्वतरू पोषित होने वाली तथा पूर्ण रूप से स्वावलंबी प्राकृतिक प्रणाली है जिसके द्वारा सभी वनस्पति एवं पारि–प्रणाली (इकोसिस्टम) बिना मानव अस्तित्व के विद्यमान है। आपने प्राकृतिक प्रणाली का अध्ययन किया और वर्ष 1989 से 1995 तक छह वर्षों के लिए अपने खेत में वन के उप प्राकृतिक प्रक्रियाओं का सत्यापन किया। छह वर्ष के अनुसंधान कार्य के दौरान लगभग 154 अनुसंधान परियोजनाएं थीं। छह वर्षों के सत्यापित अनुसंधान कार्य के बाद, आपको जीरो बजट नेचूरल फार्मिंग के बारे में तकनीक का पैकेज मिला।

3. आप निरंतर कार्यशालाओं, सेमिनारों, मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तेलगू, तमिल भाषाओं में अपनी पुस्तकों के माध्यम से तथा पूरे भारत में स्थापित मॉडल फार्मों के माध्यम से संपूर्ण भारत में किसानों को जीरो बजट नेचूरल फार्मिंग के बारे में तकनीक दे रहे हैं। महीने में 25 दिन आप देश में यात्रा करते हैं और किसानों को बिना लागत के, प्राकृतिक खेती के बारे में निःशुल्क सेवा प्रदान करते हैं।

4. आपको कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें श्री मुरूग मठ द्वारा "बसवा श्री", वर्ष 2005 के चित्रदुर्ग ऑफ कर्नाटक, कर्नाटक राज्य रियायत संघ, कर्नाटक में किसानों की एक यूनियन द्वारा वर्ष 2006 में भारत कृषक रत्न शामिल है, तथा श्री राम चंद्रापुरामठा, शिमोगा ने वर्ष 2007 में भारतीय पशु प्रजातियों के बारे में विश्व सम्मेलन में आपको गोपाल गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया।

Shri Subhash Palekar

Shri Subhash Palekar popularly known as Krishi Ka Rishi (the "sage of agriculture"), is a famous exponent of Zero Budget Natural (Spiritual) Farming & a tireless promoter of the concept of "Zero Budget Farming". Today, more than 50 lakh farmers across India are using his methods.

2. Born on July 01, 1949, Shri Palekar completed his Bachelor in Agriculture from Nagpur University. After his Graduation, he moved to the traditional agriculture. Earlier during 1975-85, the production increased continuously in the Chemical Farming, but afterwards started declining drastically even after increasing the inputs. After searching the causes for three years, he came to the conclusion that agriculture science is based on the false philosophy and started searching alternate technology to chemical farming. During 1986-88 he studied the forest vegetation. He found that, there is a self developing, self nourishing and totally self reliant natural system in the forest, by which all the vegetation and ecosystem is existed without any human existence. He studied the natural system and verified those natural processes of the forest on his farm for six year, since 1989 to 1995. There were about 154 research projects during this six year's of research work. After six years of verified research work, he got the package of technique about Zero Budget Natural Farming.

3. Shri Palekar is giving the technique about Zero Budget Natural Farming to the farmers throughout India by means of continuous workshops, seminars, his books in Marathi, Hindi, English, Kannad, Telgu, Tamil languages and by those of lakhs of models farms established throughout India. For the 25 days a month, he travels around the country giving his free service to farmers teaching no-cost, natural farming.

4. Shri Palekar has been honoured with various awards including "Basava Shri" by Sri Murugha Math, Chitradurga of Karnataka in 2005, Bharat Krushak Ratna Award in 2006 by Karnataka Rajya Rayat Sangha, a Farmers Union in Karnataka and Sri Ramachandrapuramatha, Shimoga of Karnataka facilitated him Gopal Gaurav Award at the World Conference on Indian Cattle Breeds in 2007.